Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 179 , 04 दिसम्बर, सोमवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

आरक्षण पर विश्वास की टिप्पणी से भड़के उदित राज

नई दिल्ली। पिछले दिनों रामलीला मैदान में आयोजित आम आदमी पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में कुमार विास के द्वारा आरक्षण को लेकर की गई टिप्पणी पर भाजपा सांसद डॉ उदित राज ने नाराजगी जतायी है। भाजपा सांसद ने केजरीवाल से सवाल किया है कि क्या वह कुमार विास के बयान से सहमत हैं। इस मुद्दे पर सांसद ने 26 दिसम्बर को रामलीला मैदान में रैली बुलायी है, जिसमें वह आप के नेताओं की पोल खोलेंगे। भाजपा सांसद ने केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि यदि वह विास के बयान से सहमत हैं, तो बतायें और यदि सहमत नहीं हैं, तो अभी तक कुमार विास के विरुद्ध कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि आरक्षण पर टिप्पणी को लेकर बाबा साहेब अंबेडकर के अनुयायी काफी नाराज हैं और वह विास के विरुद्ध आंदोलन चलाने की धमकी दे रहे हैं।

मां-बाप ने मासूम बच्ची को गर्म तवे से दागा, दंपति गिरफ्तार

तेलंगाना। तेलंगाना में चार साल की एक बच्ची को उसकी मां और सौतेल बाप ने गर्म तवे से दागा। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी दंपति को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित बच्ची गिरफ्तार महिला की बेटी है जो उसकी पहली शादी से है। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि आरोपी महिला और उसके दूसरे पति की पहचान ललिता एम और वाई प्रकाश के रूप में हुई। ये दोनों उस बच्ची से परेशान हो गए थे। उन्होंने बताया कि 25 साल के ये दंपति एसआर नगर के एक छात्रावास में बावर्ची और वाचमैन के तौर पर काम करते हैं। एसआर नगर पुलिस थाने के निरीक्षक मोहम्मद वहीदुद्दीन ने बताया, ललिता की पहली शादी से लड़की हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि उसने पहले पति को या तो छोड़ दिया है अथवा उसे तलाक दे दिया है और प्रकाश से विवाह कर लिया है। ललिता ने कथित रूप से बच्ची को गरम तवे पर बिठा दिया था जिससे उसके शरीर पर जलने के निशान पाए गए हैं। वहीदुद्दीन ने बताया कि बाल कल्याण विभाग के एक अधिकारी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिव्यांगों के सहायतार्थ होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

नई दिल्ली। विश्व विकलांगता दिवस के मौके दिव्यांगों के सहायतार्थ रविवार को इंडिया इस्लामिक सेंटर में ''मेरी आवाज ही मेरी पहचान है' गीत संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जाने माने गायक/कम्पोजर मिक्की सिंह नरूला और गायिका बेला सुलाखे गीत पेश करेगें। कार्यक्रम का आयोजन हौसला चरिटेबल ट्रस्ट की ओर से किया जा रहा है। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चें भी फिल्मी गीत, संगीत एवं नृत्य पेश करेंगे।

ईयरफोन लगा रेलवे लाईन पार कर रहे युवक की गई जान

नई दिल्ली। सड़क पर चलते हुए या रेलवे लाईन पार करते हुए कानों में ईयर फोन लगाकर गाना सुनना जानलेवा हो सकता है। इसका ताजा उदाहरण सराय रोहिल्ला थाना इलाके में स्थित मुंडका रेलवे लाईन पर देखने को मिला जब एक युवक रेलवे लाईन पार करते हुए मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान किराड़ी स्थित प्रेम नगर निवासी जितेंद्र रस्तोगी (22) के रूप में हुई है। घटना के बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। बताया जाता है कि मृतक हादसे के वक्त अपने दफ्तर जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने इस बाबत मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के सही कारणों का पता लगाने में जुट गई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, जितेंद्र रस्तोगी मुंडका स्थित किसी फुटवियर कंपनी में काम करता था। घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे की है। गानें सुनता हुआ चला जा रहा था।

पड़ोसी ने युवक का सिर फोड़ा

नई दिल्ली। शाहदरा क्षेत्र में मजाक करने पर पड़ोसी ने युवक पर एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर हमला कर उसे मारा पीटा और उसका सिर फोड़ दिया। पड़ोसी ने बीच बचाव करने आए पीड़ित युवक के पिता की भी पिटाई की। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित सुहैल (18) की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सुहैल सपरिवार गली नम्बर-तीन, मुकेशनगर, शाहदरा में रहता है। शोर सुनकर पीड़ित के पिता अबरार बाहर आए और बीच बचाव करने लगे। इस पर पड़ोसी ने उनकी भी पिटाई कर दी और फरार हो गया।

परीक्षापत्र हुआ था लीक एलजी के पास भेजी फाइल प्राइमरी शिक्षक परीक्षा के पेपर का मामला

डीएसएसएसबी परीक्षा रद्द कराने को एलजी से मांगी अनुमति

नेता विपक्ष का भी परीक्षा रद्द कर उप-राज्यपाल से दोबारा कराने का आग्रह 29 अक्टूबर को आयोजित हुई थी परीक्षा

नई दिल्ली। परीक्षापत्र कथित तौर पर लीक होने के चलते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) परीक्षा रद्द करने के दिल्ली सरकार के फैसले पर शनिवार को उपराज्यपाल की अनुमति मांगी। स्कूलों में शिक्षकों को भर्ती के लिए डीएसएसएसबी की परीक्षा 29 अक्तूबर को हुई थी। इस बाबत केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि डीएसएसएसबी परीक्षा पत्र पिछले महीने लीक हो गए थे। मैंने और उपमुख्यमंत्री ने परीक्षा को रद्द करने के आदेश दिए। एलजी के पास फाइल भेज दी गई है। मैंने माननीय उप राज्यपाल से हमारे फैसले को मंजूर करने की कल अपील की। उन्होंने लिखा कि इससे कम से कम 70 हजार युवा प्रभावित होंगे। हमें भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए नया तंत्र स्थापित करने के जरूरत है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पिछले माह परीक्षा रद्द करने और इसमें शामिल अधिकारियों को निलम्बित करने की मांग की थी, ताकि वह साक्ष्यों से छेड़छाड़ न कर सकें। विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षाओं का पेपर लीक होने से उसे तत्काल रद्द करने की मांग की है। गुप्ता ने आशंका जतायी कि पेपर लीक मामले में पकड़े गये दो कार्यवाहक प्रधानाचायरे के तार किसी बड़े गिरोह आदि से भी जुड़े हो सकते हैं, जो बड़ी-बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं का पेकर लीक कराने में शामिल हैं। परीक्षाओं के एक महीने बाद भी मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर चुप रहने का आरोप लगाते हुए उप-राज्यपाल से इस मामले में दखल की मांग की है। यह परीक्षाएं डीएसएसएसबी ने 29 अक्टूबर को आयोजित की थीं। परीक्षाओं के पेपर लीक के मामले का खुलासा दिल्ली पुलिस की एन्टी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड ने किया था।

विजेंद्र गुप्ता का कहना है कि शनिवार को कई प्रतिभागी उनसे आकर मिले थे। उन्होंने बताया कि पेपर लीक होने से प्रतियोगी परीक्षा में पारदर्शिता नहीं रह गई है। अभ्यर्थियों के भविष्य को देखते हुए परीक्षा रद्द कर दोबारा करानी चाहिए। गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर मुख्यमंत्री एक महीने बाद भी चुप क्यों हैं। उनकी चुप्पी से इस घटना के जिम्मेदार लोगों का हौंसला बढ़ गया है।

सौ साल पुराने इस कब्रिस्तान पर दोनों जता रहे मालिकाना हक

कब्रिस्तान पर केन्द्र और दिल्ली सरकार आमने-सामने

नई दिल्ली। दिल्ली में लगभग सौ साल पुराना एक कब्रिस्तान केन्द्र और दिल्ली सरकार के बीच मालिकाना हक के विवाद में उलझ गया है। मध्य दिल्ली में माता सुंदरी रोड स्थित इस कब्रिस्तान पर केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने अतिक्र मण हटाने की कार्रवाई शुरू की है। वहीं, केजरीवाल सरकार ने केन्द्र सरकार को कानून व्यवस्था और मालिकाना हक संबंधी तयों से अवगत कराते हुए लगभग सौ साल पुराने इस कब्रिस्तान पर अतिक्र मण हटाने की कार्रवाई नहीं करने का परामर्श दिया है। मंत्रालय के मातहत भूमि एवं विकास विभाग के निदेशक को दिल्ली सरकार की राजस्व सचिव मनीषा सक्सेना ने कहा है कि कब्रिस्तान के ऐतिहासिक महत्व और अन्य तयों के मद्देनजर कोई कार्रवाई नहीं करना चाहिए। सक्सेना वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष भी हैं। इस मामले को बोर्ड के समक्ष उठाने वाले आप विधायक अमानतुल्ला खान ने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार के बीच कब्रिस्तान की जमीन पर मालिकाना हक को लेकर विवाद है। उन्होंने कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड द्वारा राजस्व विभाग के दस्तावेजी रिकॉर्ड के हवाले से कब्रिस्तान की आठ बीघा जमीन पर बोर्ड का मालिकाना हक बताया गया है। खान ने कहा कि इसके बावजूद भूमि एवं विकास विभाग ने कब्रिस्तान के एक हिस्से में रह रहे वक्फ बोर्ड के कुछ कर्मचारियों के आवास हटाने की कार्रवाई शुरू की है। इस बारे में विभाग द्वारा बोर्ड को जारी नोटिस के जवाब में सक्सेना ने कहा कि राजस्व रिकॉर्ड के मुताबिक आठ बीघा क्षेत्रफल वाला यह कब्रिस्तान 1975 में अधिसूचित किया गया है। अधिसूचना में इसे सौ साल पुराना कब्रिस्तान बताते हुए कहा गया है कि इस अधिसूचना को अब तक किसी भी सक्षम न्यायाधिकरण में चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए वक्फकानून के मुताबिक इस संपत्ति का मालिकाना हक दिल्ली वक्फबोर्ड के पास है। उन्होंने दलील दी है कि वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ की किसी संपत्ति के मालिकाना हक के विवाद को सुलझाने का उपयुक्त मंच वक्फट्रिब्यूनल है। इसके हवाले से सक्सेना ने विभाग को किसी भी तरह की कार्रवाई से बचने का परामर्श देते हुए आगाह किया कि किसी भी प्रकार की कार्वायी के प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं।

ज्वैलरी की दुकान में घुसे चोर, देखिए कैसे सीसी टीवी को की ढकने की कोशिश

देवरिया। गौरीबाजार के इन्दूपुर में ज्वैलरी की दुकानों में चोरी करते हुए चोर सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गए। पुलिस सीसी टीवी फुटेज की मदद से चोरों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। चोरों ने शनिवार की रात ज्वैलरी की तीन दुकानों समेत आधा दर्जन दुकानों में चोरी का प्रयास किया था।

इंदूपुर चौराहे पर अशोक वर्मा निवासी मठियामाफी और ध्रुवचंद वर्मा व सोनू वर्मा निवासी इन्दूपुर के ज्वेलरी की दुकान है। शनिवार की रात चोर तीनों दुकानों का ताला तोड़ अन्दर घुस गए। इस दौरान सोनू वर्मा की दुकान में तिजोरी का लाक तोड़ते समय वे सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गए। चोर तिजोरी तोड़ने में भी असफल रहे। इन तीनों दुकानों में उन्हें कुछ खास हाथ नहीं लगा तो बगल के मनोज सिंह निवासी मदैना के आरो प्लांट, इन्दूपुर निवासी मुन्ना अली की जनरल स्टोर्स और मुन्ना मद्धेशिया के किराने की दुकान का ताला तोड़ कर नकदी समेत कुछ सामान चुरा ले गए। सभी दुकानदारों के अनुसार चोर करीब दो लाख रुपए का सामान ले गए हैं। रविवार की सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदारों को चोरी की घटना की जानकारी हुई। चोरों ने थाने से महज तीन किमी दूरी पर चोरी की इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस सीसी टीवी कैमरे की मदद से चोरों की शिनाख्त करने में जुटी है।

रेल हादसे की साजिश नाकाम, ट्रैक से 71 पेंड्रोल क्लिप्स गायब,

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में रविवार को ट्रेन पलटाने की बड़ी साजिश प्रकाश में आई है। रेलकर्मियों की सूझबूझ से एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बच गया। दरअसल, पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन के डालीगंज और बादशाह नगर रेलवे स्टेशन के बीच पटरी के बीच से 71 पेंड्रोल क्लिप्स गायब होने से हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में इधर से गुजरने वाली ट्रेनों को लखनऊ जंक्शन तथा बादशाह नगर में ही रोक दिया गया। फिलहाल रेलवे कर्मचारी अधिकारियों के साथ इन्हें दुरुस्त करने में जुटे हैं।

इस बीच पूर्वोत्तर रेलवे में घटना की खबर मिलते ही एनईआर के जीएम राजीव अग्रवाल घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं रेलवे ने घटना की जांच के आदेश दिये हैं। रेलवे अधिकारी इतनी बड़ी घटना की जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं।

कौन ले गया 71 पेंड्रोल क्लिप्स :

जानकारी के मुताबिक डालीगंज तथा बादशाह नगर जंक्शन रेलवे स्टेशन के बीच से अज्ञात लोगों ने पटरी के बीच से 71 पेंड्रोल क्लिप्स गायब को कर दिया। इन स्लीपर्स को कौन चुरा ले गया।

इसकी जांच की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि राजधानी में ट्रेन पलटाने की बड़ी साजिश रेलवे कर्मचारियों की सूझबूझ से नाकाम हो गई। रेल कर्मियों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। इतना ही नहीं स्लीपर्स के बीच से बड़ी संख्या में ज्वाइंट प्लेट भी गायब थीं। रेलवे अधिकारियों का शक आसपास की बस्ती में रह रहे लोगों और नशेड़ियों पर गहरा रहा है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

बेहोशी की ओवर डोज इंजेक्शन लगाकर जान देने की आशंका

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के रूम में मिली डॉक्टर की लाश

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कालेज की पीजी अन्तिम वर्ष की छात्रा डॉ. आरती झा की शुक्रवार की रात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

वह अपने छात्रावास के रूम में मृत मिली। रूम से मिले डायरी के आधार पर मेडिकल कालेज प्रशासन ने आत्महत्या की आशंका जताई है। वहीं मेडिकल कालेज पहुंचे डाक्टर के पिता और भाई ने हत्या की आशंका जताई है।

बैंक मैनेजर से रिटायर पिता विजयकांत झा ने कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या कर ही नहीं सकती है। डायरी को अपने कब्जे में लेकर पुलिस ने मौत की गुत्थी सुलझाने की कोशिश शुरू कर दी है।

गाइनी से पीजी कर रही थी डा. आरती झा, यह था अंतिम साल

बेहोशी की ओवर डोज इंजेक्शन लगाकर जान देने की आशंका

पिता और भाई ने कहा, आरती नहीं कर सकती है आत्महत्या

पेट में दर्द होने के बहाने लगवाई थी हाथ में इंट्राकैथ

बिहार की समस्तीपुर की रहने वाली है डा. आरती झा

केजीएमयू में एमबीबीएस की रही है गोल्डमेडिलिस्ट

बिहार के दरभंगा जिले के हायाघाट थाना क्षेत्र स्थित पैराराम गांव की मूल निवासी डा.आरती मेडिकल कालेज में गाइनी से पीजी कर रही थी। यह उनका तीसरा वर्ष था।

वह मेडिकल कालेज के इंदिरा छात्रावास में रूम नम्बर 35 में रहती थी। डा. आरती ने केजीएमयू लखनऊ से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। वह एमबीबीएस में गोल्डमेडलिस्ट थी। पुलिस के मुताबिक मेडिकल कालेज

प्रशासन ने बताया कि शुक्रवार की रात में करीब साढ़े 12 बजे डा.आरती की सहपाठी डा. शिल्पी ने उसे आवाज दी। किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर शिल्पी ने दरवाजा पर धक्का दी जिससे धरवाजा खुल गया। अंदर देखा तो डा.आरती बिस्तर पर पड़ी थी। हाथ-पैर पूरी तरह से ठंडा हो गया था। उन्होंने वार्डेन को खबर दी।

हास्टल के रूम में ही डा. आरती के इलाज की कोशिश हुई लेकिन किसी तरह की हरकत न होने पर तत्काल इमरजेंसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

करीब पौने दो बजे कालेज प्रशासन ने गुलरिहा इंस्पेक्टर को मौत की सूचना दी। इंस्पेक्टर ने कमरे को सील करा दिया।

सुबह फोरेंसिक टीम के साथ पूरे कमरे की जांच कराई। वहीं रात में करीब ढाई बजे कालेज प्रशासन ने डा. आरती के पिता विजयकांत झा को सूचना दी। बेटे प्रशांत के साथ मेडिकल कालेज पहुंचे पिता ने बेटी का शव देखा और हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने डॉक्टरों के एक पैनल से पोस्टमार्टम कराने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शरीर पर है चोट के निशान

डा. आरती के शरीर के कुछ हिस्से पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने जो पंचनामा तैयार किया है उसमें नाखून नीला पड़ा है।

नाक के रास्ते खून आ रहा था, दोनों गाल व गर्दन ,बाएं चेस्ट, दोनों जांघों के बीच चकत्तेदार निशान है। भाई के मुताबिक जबान भी निकली हुई लग रही है उसे जबरदस्ती अंदर ठूसा गया था।

भाई- बहनों में छोटी थी डा. आरती

डा. आरती के पिता विजयकांत झा समस्तीपुर में एसएसबी के मैनेजर के पद से 2016 में रिटायर हुए हैं।

रिटायमेंट के बाद पूरा परिवार समस्तीपुर के काशीपुर में ही मकान बनवा कर रहता है।

डा. आरती भाई-बहनों में छोटी थीं। बड़े भाई प्रशांत इंडियन ऑयल में अधिकारी हैं। वर्तमान में पटना में उनकी तैनाती है।

---

6 दिसम्बर को दलित एकता सम्मेलन आयोजित करेगी प्रदेश कांग्रेस

भारत की रेप कैपिटल बनी दिल्ली : शर्मिष्ठा

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन के नेतृत्व में 6 दिसम्बर को डा भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कांग्रेस दलित एकता सम्मेलन एवं श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन अम्बेडकर भवन पंचकुईयां रोड पर आयोजित किया जाएगा। शनिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा कि दलित एकता सम्मेलन की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलित एकता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे, मुकुल वासनिक, पीएल पुनिया व दिल्ली के प्रभारी पीसी चाको उपस्थित होंगे। संवाददाता सम्मेलन में मुख्य प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी के अलावा दिल्ली के पूर्व मंत्री किरण वालिया, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव तरु ण कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौ प्रेम सिंह, चतर सिंह व निगम पार्षद कु रिंकू मौजूद थे। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा कि दिल्ली में पिछले तीन वर्षो में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भारत की रेप कैपिटल बन गई है क्योंकि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में बढ़ोतरी हुई तथा रेप के मामलों में 40 से 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2016 में दिल्ली में 80,840 मामले महिला अपराध के दर्ज किए गए। मुखर्जी ने कहा कि दिल्ली में लोग पूरे भारत से आकर बसते है और महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध एक गंभीर संदेश देते है। मुखर्जी ने कहा कि 2014 में जहां दिल्ली में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की संख्या 15191 थी वह 2015 में 17653 हो गई और 2016 में तो बढ़कर 18480 तक पहुंच गई। जो यह दर्शाता है कि 2016 में दिल्ली की आप पार्टी की सरकार के

राज में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एक शब्द में, यह आदर्श है कि तुम परमात्मा हो। स्वामी विवेकानंद

न्याय प्रक्रिया में ''घूस'

मुकदमे का नाम सुनते ही साधारण लोगों को चक्कर आने लगते हैं। कचहरी, वकील, पेशकार, मुंसिफ़ जज और पुलिस सब मिल कर एक अलग ही (दानवी या मायावी!) दुनिया रचते हैं। कोई संदेह नहीं कि न्याय की दुरावस्था से आम आदमी के जीवन की गुणवत्ता नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रही है। समाज में व्यवस्था तथा सुख-शांति बनाए रखने पर ही देश का विकास संभव है। इसके लिए जरूरी है चुस्त-दुरु स्त कानून व्यवस्था। न्याय में भरोसा तभी आता है, जब व्यवस्था में अन्याय के प्रतिरोध की जगह हो। (अन्याय से) पीड़ितों को प्रभावी मदद मिल सके। आज अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, और अपराध का भय भी कम होता दिख रहा है। दूसरी ओर, मुकदमे का नाम सुनते ही साधारण लोगों को चक्कर आने लगते हैं। कचहरी, वकील, पेशकार, मुंसिफ ,जज और पुलिस सब मिल कर एक अलग ही (दानवी या मायावी!) दुनिया रचते हैं। कोई संदेह नहीं कि न्याय की दुरावस्था से आम आदमी के जीवन की गुणवत्ता नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिनों पूर्व घोषणा की थी कि उनकी सरकार ने देश में प्रचलित परन्तु व्यर्थ हो चुके बारह सौ पुराने अनावश्यक कानून रद्द कर दिए हैं। इनके अलावा, करीब दो हजार और कानून भी चिह्नित किए गए हैं, जिन्हें निष्प्रभावी करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। परंतु देश में आज न्याय की जो सामान्य स्थति बनी हुई है, वह बड़ी ही सोचनीय है, और अभी भी बहुत कुछ करना शेष है। आम जनों को कानून का लाभ मिले, इसके लिए उचित सूचना मिलना जरूरी है परंतु अब वह इतनी विशिष्ट होती जा रही है कि सुशिक्षित लोग भी उसका पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अभी भी अंग्रेजी ही न्याय की भाषा बनी हुई है। इसी प्रसंग में उल्लेख किया जा सकता है कि कानून की पढ़ाई भी अपर्याप्त और अप्रासंगिक है। नये पांच साल वाले पाठ्यक्रम कानूनदां कम और अच्छे बाबू (या कानूनी मैनेजर!) अधिक पैदा कर रहे हैं। लंबित मुकदमों की संख्या डरावनी हो चली है। विभिन्न अदालतों में तकरीबन तीन करोड़ मुकदमे विचार हेतु दाखिल हैं। इसका मुख्य कारण न्यायाधीशों की घटती संख्या है। जो पद हैं भी वे खाली पड़े हैं। सरकार की ढुलमुल नीति और हीला-हवाली वाली गति के कारण समय पर न्यायाधीशों की नियुक्तिनहीं हो पाती। मामले निपटने में खूब समय लगता है। कई बार विचाराधीन (अंडर ट्रायल) कैदी वर्षो जेल में पड़े रहते हैं, उनमें कई ऐसे भी होते हैं, जिनके मुकदमा लगने और सुनवाई होने के पहले ही उनके संभावित दंड की काफी अवधि (या उससे ज्यादा) गुजर चुकी रहती है। न्याय प्रक्रिया की एक बड़ी कठिनाई यह है कि आम आदमी के लिए न्याय मंहगा होता जा रहा है। इसलिए न्याय तक उसकी पहुंच घटती जा रही है। पेशे की शुचिता को लेकर लोगों के मन में विास घट रहा है। वकील, जज और संबद्ध अधिकारियों की मिलीभगत के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। न्याय प्रक्रिया में ''घूस' स्थापित व्यवस्था का रूप ले चुकी है। कानूनी सुधारों की दिशा भी उलझाने वाली होती जा रही है। उदाहरण के लिए दहेज का एक एक्ट पहले से ही था। अब गृह कलह और घरेलू हिंसा का जो नया एक्ट बना है, उसमें एक पक्ष दूसरे के ऊपर हिंसा, चोरी, जुल्म आदि अनेक आरोप लगाता है, जिसके लिए कई मुकदमे बनते हैं, और मुवक्किल को कई-कई कोर्ट में जाने की जरूरत पड़ती है। फलत: कठिनाई बढ़ती जा रही है। ऐसे ही आज सर्वाधिक मुकदमे ''चेक बाउंस' होने को लेकर हैं, जिनका प्रभावी समाधान नहीं निकल सका है। यह भी एक कठिन स्थिति है कि देश के विभिन्न राज्यों में एक ही तरह के मुकदमों के निपटारे के लिए भिन्न-भिन्न प्रावधान हैं। यदि मोटर गलत लेन में हुई तो दिल्ली में तो मौके पर ही चालान कट जाता है, और जुर्माना अदा करने की सुविधा है।

उत्तर प्रदेश में बिना कोर्ट के कुछ भी नहीं होता। इन प्रश्नों पर विचार करते हुए विधि आयोग ने स्पष्ट रूप से संस्तुति की है कि यातायात की अलग से कोर्ट बिठाई जाए। आयोग ने सुधार के लिए कुछ और संस्तुतियां भी की हैं। उसकी मानें तो जजों की कम संख्या से निपटने के लिए अधीनस्थ न्यायालयों में जजों की सेवा-निवृत्ति की आयु बढ़ाई जानी चाहिए।

साथ ही, उपलब्ध न्यायिक संसाधनों की मात्रा भी बढ़ाई जानी चाहिए।आज जनता और न्याय व्यवस्था के बीच कोई सीधा संवाद नहीं है। दूसरी ओर कानूनी प्रक्रिया में बड़ी संख्या में पेचीदगियां बनी हुई हैं, उसमें इतने उलझाव हैं कि आम आदमी पग-पग पर कानूनी किरदारों द्वारा ठगा जाता है। उसे निजात नहीं मिल पा रही, उलटे मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बाबा आदम के जमाने की कानून की प्रक्रिया निश्चय ही क्रांतिकारी परिवर्तन की अपेक्षा करती है, जिससे प्रभावी ढंग से न्याय मिल सके। इसके लिए कई मोर्चो पर सुधार जरूरी है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती।

हालात से निपटने की बड़ी चुनौती

युक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों और अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद यह उसका छठा परीक्षण है। लेकिन अमेरिका न तो उ.कोरिया की हरकतों की अनदेखी कर पा रहा है, न उसे सबक सिखा पा रहा है। यानी न उगलते बन रहा है, न निगलते बल्कि, वर्षो से जारी इस शीत युद्ध में अमेरिका लगातार फंसता जा रहा है। 29 नवम्बर को तमाम आर्थिक प्रतिबंधों को धता बताते हुए उ.कोरिया ने एक और मिसाइल का परीक्षण कर डाला। इससे पहले सितम्बर में भी उसने मिसाइल और हाइड्रोजन बम का परीक्षण किया था। लेकिन ताजा परीक्षण ने साबित कर दिया है कि उ.कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन पर किसी भी तरह के दबाव का कोई असर नहीं है। उसने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया संयुक्त सैनिक अभ्यास करने वाले हैं। प्योंगयांग की ढिठाई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।

सतीश पेडणोकर

अमेरिका के सामने अब इन हालात से निपटने की बड़ी चुनौती है। कुछ इस तरह कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे; क्योंकि अगर उ.कोरिया से राजनीतिक और व्यापारिक संबंध तोड़ने के उसके प्रस्ताव को विश्व बिरादरी समर्थन नहीं देती है, तो यह भी उसके लिए हार जैसा ही होगा। ऐसे में उसके लिए जरूरी है कि वह एक ऐसे जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार करे, जिससे विश्व शांति और परमाणु अप्रसार में उसकी भूमिका को सराहा जाए। कोरिया अब अमेरिका के लिए गले की हड्डी बन गया है। एक तरफ अमेरिका उसकी गर्दन में एक के बाद एक प्रतिबंध और दबाव के फंदे डाल रहा है। वहीं उ. कोरिया ताबड़तोड़ परमाणु परीक्षण करता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों और अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद यह उसका छठा परीक्षण है। लेकिन अमेरिका न तो उ.कोरिया की हरकतों की अनदेखी कर पा रहा है, न उसे सबक सिखा पा रहा है। यानी न उगलते बन रहा है, न निगलते बल्कि, वर्षो से जारी इस शीत युद्ध में अमेरिका लगातार फंसता जा रहा है।29 नवम्बर को तमाम आर्थिक प्रतिबंधों को धता बताते हुए उ.कोरिया ने एक और मिसाइल का परीक्षण कर डाला। इससे पहले सितम्बर में भी उसने मिसाइल और हाइड्रोजन बम का परीक्षण किया था। लेकिन ताजा परीक्षण ने साबित कर दिया है कि उ.कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन पर किसी भी तरह के दबाव का कोई असर नहीं है। उसने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया संयुक्त सैनिक अभ्यास करने वाले हैं। प्योंगयांग की ढिठाई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किम जोंग ने इस परीक्षण के बाद उ.कोरिया को पूर्ण परमाणु संपन्न देश घोषित कर दिया है। यही नहीं, उसने विश्व समुदाय के दबाव, खास कर अमेरिका की खिल्ली उड़ाते हुए कहा है कि उसकी यह मिसाइल वाशिंगटन और न्यूयॉर्क समेत अमेरिकी धरती पर कहीं भी पहुंचने में सक्षम है। इससे पहले सितम्बर में ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र से प्योंगयांग पर तीन बार संशोधित प्रतिबंध लगवाने के साथ ही उसे विश्व में अलग-थलग करने के लिए मैराथन कूटनीतिक प्रयास किए थे। तब ट्रम्प कुछ हद तक कामयाब भी रहे थे जब रूस और चीन जैसे उत्तर कोरिया समर्थक देशों ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों पर मुहर लगा दी थी। लेकिन उ.कोरिया के ताजा परीक्षण के बाद अमेरिकी प्रयासों को शुरु आत में ही झटका लग गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उ.कोरिया के साथ राजनीतिक और व्यापारिक रिश्ते तोड़ कर उसे अलग-थलग करने का अमेरिकी आग्रह धड़ाम हो गया है। रूस ने अमेरिका के प्रस्ताव को नकारात्मक बताते हुए सारे विवाद के लिए उसे ही जिम्मेदार बता डाला है। उसके विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका ही उ.कोरिया को उकसा रहा है और उसे नष्ट करने के लिए बहाना ढूंढ़ रहा है। यानी अगर युद्ध होता है तो रूस इसके लिए अमेरिका को सीधे-सीधे जिम्मेदार ठहराएगा। ऐसे में कई दूसरे देश भी रूस के साथ खड़े हो जाएंगे। रूस ने ढेर सारे प्रतिबंधों के बजाय ऐसे प्रस्ताव की वकालत की है जिसमें प्रतिबंधों के साथ बातचीत की भी गुंजाइश हो।रूस के ताजा रुख से अब चीन के लिए भी उ.कोरिया के साथ खुलकर खड़े होने का रास्ता साफ हो गया है। यानी स्थिति यह हो गई है कि जो उ.कोरिया अब तक अकेला था, उसे अमेरिकी विरोध ने कई ऐसे मुखर साथी दे दिए हैं, जो अब तक पर्दे के पीछे से उसकी मदद कर रहे थे। चीन ने भी अमेरिका के उस आग्रह पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है, जिसमें अमेरिका ने बीजिंग से कहा था कि वह प्योंगयांग को तेल आपूत्तर रोक दे। बल्कि चीन ने जिस तरह इसका जवाब दिया कि वह ऐसे मसलों पर जिम्मेदारी और तटस्थता के साथ फैसले लेता है। उसका संदेश साफहै कि वह उ.कोरिया के खिलाफकिसी आक्रामक अमेरिकी नीति का समर्थन नहीं करेगा। खास कर,

ऐसे मामले, जिनमें उसके हित सीधे-सीधे प्रभावित होते हों। यहां यह उल्लेखनीय है कि उ.कोरिया को परमाणु तकनीक या संसाधन मुहैया कराने के लिए पाकिस्तान के साथ चीन पर भी आरोप लगते रहे हैं। समस्या यह है कि रूस और चीन का समर्थन हासिल किए बगैर अमेरिका के लिए कोई बड़ा फैसला लेना मुश्किल है तो दो ही रास्ते बचते हैं-एक, अमेरिका अपने प्रस्ताव में रूस और चीन के अनुसार बदलाव करे जो ट्रम्प के लिए बैकफुट पर जाने जैसा होगा, शायद यह अमेरिका को मंजूर न हो। दूसरा विकल्प है-युद्ध।क्या अमेरिका के लिए उ.कोरिया पर हमला करना आसान होगा? अफगानिस्तान से लेकर इराक तक अपनी युद्ध नीति के लिए आलोचना झेलने वाले अमेरिका के लिए निश्चित रूप से इसके लिए विश्व स्तर पर समर्थन जुटाना मुश्किल काम है। खासकर तब, जब कई देश अमेरिकी आक्रामकता के विरोधी हों और कई देश चीन और रूस के पीछे खड़े हों। उ.कोरिया की स्थिति अफगानिस्तान या इराक जैसी नहीं है। युद्ध छिड़ा तो बहुत दूर तलक जाएगा। इसीलिए पिछले कई महीनों से जारी तीखी जबानी लड़ाई और हमले की चेतावनियों के बावजूद ट्रम्प ने उ.कोरियाको पीछे ढकेलने के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर ही भरोसा किया है। यहां तक कि डराने वाले उ.कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बाद भी अमेरिका उ.कोरिया को परमाणुविहीन बनाने के लिए युद्ध की चेतावनियों के बीच कूटनीतिक दबाव बनाने की अपनी नीति पर ही निर्भर दिख रहा है। हालत यह है कि दोनों देश युद्ध से पहले युद्ध जीतने या युद्ध से पहले युद्ध हारने जैसा उदाहरण बन गए हैं। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के आंखें दिखाते रहने के बावजूद उ.कोरिया ने न सिर्फपरमाणु ताकत हासिल कर ली, बल्कि अब अमेरिका को तबाह करने की क्षमता हासिल कर लेने का दावा भी कर रहा है। और यह पहली बार है कि परमाणु विशेषज्ञ प्योंगयांग के दावों को बेहद गंभीर और खतरनाक मान रहे हैं। अब तक ये विशेषज्ञ उ.कोरिया दावों को बढ़ा-चढ़ा कर किया गया ऐलान मानते रहे हैं। लेकिन अब इन विशेषज्ञों ने भी कहा है कि उ.कोरिया की ताजा मिसाइल ह्वांगहो-15 बेहद खतरनाक है। कैलिफोर्निया के सेंटर फॉर नॉन प्रॉलिफिरेशन स्टडीज का दावा है कि दुनिया के कुछ ही देशों के पास ऐसी मिसाइल बनाने की क्षमता है। ऐसा परमाणु परीक्षण को मापने वाले यंत्रों की जांच के बाद कहा गया है। उ.कोरिया की यह इंटर कान्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल पूरी तरह स्वनिर्मित है और इसकी क्षमता, परमाणु-5 क्लब यानी परमाणु संपन्न पांच देशों के अलावा, अब तक किसी के पास नहीं है। 13,000 किलोमीटर तक मार करने वाली यह मिसाइल अत्यधिक भार वाले परमाणु हथियार ले जा सकती है। अमेरिका के सामने इन हालात से निपटने की बड़ी चुनौती है। कुछ इस तरह कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे क्योंकि अगर उ.कोरिया से राजनीतिक और व्यापारिक संबंध तोड़ने के उसके प्रस्ताव को विश्व बिरादरी समर्थन नहीं देती है, तो यह भी उसके लिए हार जैसा ही होगा। ऐसे में उसके लिए जरूरी है कि वह एक ऐसे जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार करे जिससे विश्व शांति और परमाणु अप्रसार में उसकी भूमिका को सराहा जाए। इसके लिए अमेरिका को खुद जिम्मेदार बनकर सामने आना होगा। युद्ध को हवा देकर कोई भी देश खुद को जिम्मेदार नहीं बता सकता। मौजूदा हालात में ट्रम्प के लिए यह बहुत मुश्किल काम है। मगर हालात कुछ ऐसे हैं कि दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति पर ही युद्ध टालने की जिम्मेदारी आन पड़ी है।

चलते चलते

ऑस्पेंस्की

एक बार वे संत गुरजियफसे मिलने उनके आवास पर पहुंचे। दोनों के बीच विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा चल पड़ी। बातचीत के दौरान ऑस्पेंस्की ने संत गुरजियफसे कहा - 'वैसे तो मैंने गहन अध्ययन और अपने अनुभव के जरिए काफी ज्ञान अर्जित कर लिया है, पर मैं कुछ और भी जानना चाहता हूं। क्या आप मेरी इसमें मदद कर सकते हैं? गुरजियफ जानते थे

रूस में ऑस्पेंस्की नामक एक महान विचारक हुए हैं। एक बार वे संत गुरजियफ से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। दोनों के बीच विभिन्न् विषयों को लेकर चर्चा चल पड़ी। बातचीत के दौरान ऑस्पेंस्की ने संत गुरजियफसे कहा - 'वैसे तो मैंने गहन अध्ययन और अपने अनुभव के जरिए काफी ज्ञान अर्जित कर लिया है, पर मैं कुछ और भी जानना चाहता हूं। क्या आप मेरी इसमें मदद कर सकते हैं? गुरजियफ जानते थे कि ऑस्पेंस्की अपने विषय के प्रकांड विद्वान हैं, जिसका किंचित उन्हें दंभ भी है अत: सीधी बात करने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा। उन्होंने कुछ देर सोचने के बाद एक कोरा कागज उठाया और उसे ऑस्पेंस्की की ओर बढ़ाते हुए बोले - 'यह अच्छी बात है कि तुम कुछ सीखना चाहते हो। लेकिन मैं कैसे समझूं कि तुमने अब तक क्या-क्या सीख लिया है और क्या नहीं सीखा है। अत: तुम ऐसा करो कि जो कुछ भी जानते हो और जो नहीं जानते हो, उन दोनों के बारे में इस कागज पर लिख दो। जो तुम पहले से ही जानते हो, उसके बारे में तो चर्चा करना फिजूल है और जो कुछ तुम नहीं जानते, उस पर ही चर्चा करना उचित होगा। बात एकदम सरल थी, लेकिन ऑस्पेंस्की के लिए बहुत कठिन हो गई। उनका ज्ञानी होने का अभिमान चूर-चूर हो गया। ऑस्पेंस्की आत्मा और परमात्मा जैसे विषय के बारे में तो बहुत जानते थे, लेकिन तत्व-स्वरूप और भेद-अभेद के बारे में उन्होंने सोचा तक नहीं था। गुरजियफ की बात सुनकर वे सोच में पड़ गए। काफी देर सोचने के बाद भी उन्हें कुछ नहीं सूझा। आखिरकार उन्होंने वह कोरा कागज ज्यों का त्यों गुरजियफके चरणों में रख दिया और बोले 'महोदय, मैं तो कुछ भी नहीं जानता। आज आपने मेरी आंखें खोल दीं। ऑस्पेंस्की के विनम्रतापूर्वक कहे गए इन शब्दों से गुरजियफबेहद प्रभावित हुए और बोले - 'ठीक है, अब तुमने जानने योग्य पहली बात जान ली है कि तुम कुछ नहीं जानते। यही ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है। अब तुम्हें कुछ सिखाया और बताया जा सकता है। सार यह है कि रीते घड़े को भरा जाना संभव है, लेकिन अहंकार से परिपूर्ण घट में तो बूंदभर ज्ञान नहीं भरा जा सकता। हम स्वयं को रीता बनाना सीखें, तभी तो ज्ञानार्जन के लिहाज से सुपात्र बन सकेंगे।

मुद्दा

धर्म-जाति की दृष्टि

प्रत्येक दल में कोई न कोई ऐसा नेता होता है, जो बीच-बीच में विवादास्पद बयान दे कर अपनी ही पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर देता है। राहुल गांधी जनेऊधारी हिंदू हैं, यह कह कर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने बला मोल ले ली है। मजेदार बात यह कि कोई स्पष्ट उत्तर अभी सामने नहीं आया है कि धर्म-जाति की दृष्टि से राहुल क्या हैं? हमें इस पचड़े में पड़ने की जरूरत ही क्या है, क्योंकि राजनीति वे हिंदू या पारसी के रूप में नहीं, बल्कि एक भारतीय के रूप में करते हैं। मुझे आपत्ति उनकी पार्टी के नेता सुरजेवाला द्वारा राहुल के जनेऊधारी होने पर जोर देने से है। आज के जमाने में क्या सचमुच जनेऊ का कोई महत्त्व है? सच तो यह है कि जो लोग परंपरागत रूप से जनेऊ धारण करते रहे हैं, वे क्रमश: इसे त्याग रहे हैं। लेकिन जनेऊ गायब हो रहा है, इससे उसका महत्त्व कम नहीं हो गया है। कम हो गया होता तो सुरजेवाला के लिए कहना काफी होता कि उनके नेता निश्चय ही हिंदू हैं। जनेऊ का धार्मिक दृष्टि से जो भी महत्त्व हो पर सामाजिक दृष्टि से विषमता और ऊंच-नीच का प्रतीक है। जो भी जनेऊ पहनता है, वह चौबीसों घंटे घोषित करता है कि दूसरों से श्रेष्ठ है। जनेऊ समाज को बांट देने का धार्मिक औजार है। शेष दुनिया में लोग प्रयत्नों से श्रेष्ठता अर्जित करते हैं, पर हिंदू समाज में यह जन्म से ही उपार्जित हो जाती है। ब्राह्मण का बच्चा है तो स्वाभाविक रूप से श्रेष्ठ है। श्रेष्ठता का इससे बड़ा अपमान और क्या हो सकता है? अपने विख्यात भाषण ''जाति का विनाश' में डॉ. अम्बेडकर इसके कई उदाहरण देते हैं। एक उदाहरण है : ''मराठों के देश में, पेशवाओं के शासन काल में अछूत को उस सड़क पर चलने की अनुमति नहीं थी जिस पर कोई सवर्ण हिंदू चल रहा हो ताकि पूना में अछूत के लिए जरूरी था कि जहां भी जाए, गले में मिट्टी की हांड़ी बांध कर चले और जब थूकना हो तो उसी में थूके ताकि जमीन पर पड़ी हुई अछूत की थूक पर अनजाने में किसी हिंदू का पैर पड़ जाने से वह अपवित्र न हो जाए।' दूसरा उदाहरण मध्य भारत के बलाई जाति के लोगों का है। डॉक्टर साहब ने अपने इसी भाषण में बतलाया है, ''टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट (4 जनवरी, 1928) के मुताबिक, (इंदौर राज्य के) इंदौर जिले के सवर्ण हिंदुओं यानी कालोटों, राजपूतों और ब्राह्मणों, कनिरया, बिचोली-हफ्सी, बिचोली-मर्दाना तथा पंद्रह अन्य गांवों के पटेलों और पटवारियों ने अपने-अपने गांव के बलाइयों से कहा कि अगर तुम लोग हमारे साथ रहना चाहते हो तो तुम्हें आठ नियमों का पालन करना होगा। इनमें से कुछ नियम इस प्रकार थे : बलाई ऐसी पगड़ी नहीं पहनेंगे जिसकी किनारी में सोने का लेस लगा होगा। वे रंगीन या फैंसी किनारी वाली धोती नहीं पहनेंगे। बलाई औरतें सोने या चांदी के गहने नहीं पहनेंगी। फैंसी गाउन या जैकेट नहीं पहनेंगी। बलाइयों ने इस तानाशाही को मानने से इनकार कर दिया तो उन पर जुल्म शुरू हो गया। इसी तरह, एक जमाने में केरल में सवर्णों की तानाशाही थी कि दलित स्त्रियां वक्ष ढंक कर सड़क पर नहीं निकलेंगी। इस पराधीनता से बाहर आने के लिए दलित स्त्रियों को बहुत संघर्ष करना पड़ा। यह है जनेऊ की राजनीति और जनेऊ का समाजशास्त्र : फेसबुक पर जब मैंने जनेऊ की औचित्यहीनता पर बहस छेड़ी तो जनेऊ के पक्ष में बहुत-से शर्मा, पाठक, मिश्र, पांडेय, उपाध्याय सामने आ गए। लेकिन दो-तीन मित्रों ने पूछा कि जनेऊ का समर्थन करने के पहले यह तो बताइए कि उसकी उपयोगिता क्या है, तो एक की भी जुबान नहीं खुली। उनके तर्क का ढर्रा यह था कि जनेऊ को हिंदू धर्म में पवित्र माना गया है, इसलिए वह पवित्र है। कुछ लोगों के लिए पवित्र होगा वह, पर उसे पहनने से फायदा क्या है, इस प्रश्न का उत्तर उनके पास नहीं था, क्योंकि इक्कीसवीं सदी में यह कहने की हिम्मत वे इसलिए नहीं जुटा पाए कि जनेऊ सामाजिक विषमता और भेदभाव का सबसे ज्यादा प्रकट प्रतीक है। जनेऊ नहीं होगा तो ब्राह्मण या ठाकुर को पहचाना कैसे जाएगा?

सत्संग

स्वयं को जानना ही सबसे बड़ा ज्ञान

शांतनु का मन पिछले कुछ दिनों से अजीब-सी उलझनों से घिरा था। उसी दौरान उसकी संस्था में एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें एक प्रख्यात आचार्य को व्याख्यान देने के लिए बुलाया गया था। शांतुन भी उस सेमिनार में उपस्थित था। आचार्य ने उपस्थित लोगों को मंच से संबोधित करते हुए कहा - 'यहां बैठे सभी लोग कुछ पाने और सीखने आए हैं। कह सकते हैं कि ज्ञान की पिपासा हम सबमें है। अंतस् में कुछ जल रहा है, जो शांत होना चाहता है। इस शांति के लिए अनेक कोशिशें की जाती हैं। इंसान कितनी ही दिशाओं में इसे खोजता है। किसी मायामृग की खोज में उसका चित्त भटकता रहता है, लेकिन कोई राह उसे मंजिल पर पहुंचाती प्रतीत नहीं होती। क्या जीवन के ये टेढ़े-मेढ़े रास्ते कहीं भी नहीं ले जाते? शांतनु उनकी बातें गौर से सुन रहा था। उसे लग रहा था कि यहां पर उसे अपने सवालों के जवाब मिल सकते हैं। आचार्य ने आगे कहा - 'दरअसल हमें जीवन की गहन-गहराइयों में उतरकर ज्ञान का शीतल-स्रोत खोजना पड़ता है, समाधान के स्वर सुनने पड़ते हैं। ज्ञान वाग्जाल में नहीं है। तर्कपूर्ण शब्दों में भी इसे नहीं पाया जा सकता। सच तो यह है कि बौद्धिक उत्तर खोजने में, उसके कुहासे में वास्तविक उत्तर खो जाता है। बुद्धि मौन हो तो अनुभूति बोलती है। विचार चुप हो तो विवेक जागता है। आचार्य की बातें उनके जीवन की अनुभूति से निस्सृत हो रही थीं। वे कह रहे थे। 'सच तो यह है कि जिंदगी के मूलभूत प्रश्नों के उत्तर बौद्धिक तर्कों से नहीं मिलते। बौद्धिक तर्कों में ज्ञान का आभास तो है, पर ज्ञान नहीं। ज्ञान तो 'अनन्तं निर्विकल्पं है। शांत और शून्य होने पर प्रकट होता है। तभी समस्याएं गिर जाती हैं। स्वयं को जाने बिना ज्ञान की प्यास नहीं मिटती, अंतस् की जलन नहीं घटती। स्वयं को जानना ज्ञान है, बाकी सब जानकारी है। चित्त जिस क्षण भटकनभरी बौद्धिकता को छोड़कर चुप और स्थिर हो जाता है, उसी क्षण 'सत्यम् ज्ञानम् अनन्तम् ब्रह्म के द्वार खुल जाते हैं। दिशाशून्य चेतना प्रभु में विलीन हो जाती है और ज्ञान की इस प्यास का अंत केवल प्रभु मिलन में है। आचार्य की बातों को सुनकर शांतनु को अपनी वैचारिक व भावनात्मक उलझनों का जवाब मिल गया। उसने आचार्य से मिलकर उनका आभार प्रकट किया और वहां से चला आया। उसे जीवन के नए सूत्र हाथ में लगे थे, जिसने उसके जीवन की दशा और दिशा दोनों बदल दी थी।

''वामपंथी अलायंस'

लंबी राजनीतिक जद्दोजहद के बाद आखिरकार नेपाल ने नये संविधान के प्रावधानों के मुताबिक, संघीय गणतंत्र की राह पर पहला कदम रख दिया। पिछले तेईस नवम्बर को देश की संसद और प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव के लिए पैंसठ फीसद मतदाताओं ने अपना वोट दिया। अंतिम चरण का मतदान सात दिसम्बर को होगा। देश की खंडित बहुदलीय राजनीति में मुकाबला दो गठबंधनों के बीच है। एक ओर देश की दो प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियां-नेकपा (यूएमएल) और नेकपा (माओवादी) का ''वामपंथी अलायंस' है, तो दूसरी ओर नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाला ''डेमोक्रेटिक अलायंस' है। इस गठबंधन में नेपाल शक्ति पार्टी, पहले की राजा और पंचायत समर्थक पार्टियां और मधेशियों के छोटे-छोटे दल हैं। ये दोनों गठबंधन चुनाव पूर्व हुए हैं, इसलिए इन्हें अनैतिक तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन अनेक सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को लेकर इनके बीच गहरा अंतरविरोध है। इसलिए चुनाव बाद बनने वाली सरकार राजनीतिक स्थिरता दे पाएगी, इस बारे में आास्त नहीं हुआ जा सकता। नेपाली कांग्रेस का झुकाव मध्य से दक्षिण की ओर है, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी सामाजिक-आर्थिक नीतियों में कोईवैचारिक अंतर दिखाई नहीं देता। विदेश नीति के मामले में फर्क जरूर है। नेपाली कांग्रेस को भारत समर्थक और कम्युनिस्ट पार्टियों को चीन समर्थक माना जाता है। नये संविधान के निर्माण के दौरान राजनीतिक विमर्श में दो मुद्दे सबसे ज्यादा उभर कर सामने आए थे। शक्तियों का विकेंद्रीकरण और शासन-सत्ता में समाज के हाशिये पर रहने वाले तबकों को उचित प्रतिनिधित्व दिलाया। लेकिन नये संविधान में मधेशियों और जनजातियों की राजनीतिक आकांक्षाएं पूरी नहीं हो पाई हैं।

माओवादी नेता प्रचंड इनकी मांगों के प्रति नरम रुख रखते हैं, और संविधान में संशोधन के इच्छुक भी, जबकि नेकपा (यूएमएल) के नेता केपी ओली इसके प्रबल विरोधी हैं। अब ये दोनों कज़्युनिस्ट पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। इसी तरह, राज्यों के पुनर्गठन और अन्य मुद्दों पर नेपाली कांग्रेस और नया शक्ति पार्टी के बीच मतभेद है। यानी जन सरोकारों के अहम मुद्दों पर अनिश्चितता कायम है। नेपाल के हर चुनाव में भारत विरोध का मुद्दा हॉट-केक की तरह बिकता है। इस चुनाव में भी नेकपा (यूएमएल) के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली नाकेबंदी का मुद्दा जोर-शोर से उछाल रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों मधेशी आंदोलन और नाकेबंदी के लिए भारत को जिज़्मेदार ठहराया था। वे चुनाव सभाओं में लोगों को आास्त करते हैं कि प्रधानमंत्री रहते हुए हमने चीन के साथ पारगमन संधि की है, जिसके कारण भारत की नाकेबंदी का नेपाल पर कोईअसर नहीं पड़ेगा। उनका यह रुख भारत की परेशानी का कारण बन सकता है।

स्थानीय निकायों के चुनाव में नेकपा (यूएमएल) का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसलिए वामपंथी अलायंस के जीतने की संभावनाएं ज्यादा हैं। सवाल है कि सत्ता के लिए छोटी-छोटी बातों पर लड़ने वाले दलों का गठबंधन चुनाव बाद क्या एक रह पाएगा? नेताओं को यह काम करना चाहिए क्योंकि भारी संख्या में मतदान में हिस्सा लेकर जनता अपना कर्त्तव्य निभा रही है। अब नेताओं की बारी है।

आस्ट्रेलिया दौर पर भारत खेल सकता है डे-नाइट टेस्ट

मेलबोर्न। भारत ने अब तक एक भी डे-नाइट टेस्ट मैच नहीं खेला है लेकिन उसे अगले वर्ष आस्ट्रेलिया दौरे पर डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने का अनुभव मिल सकता है। भारत को अगले वर्ष आस्ट्रेलिया का दौरा करना है जहां उसे मेजबान टीम के साथ चार टेस्ट मैच खेलना है और उनमें से एक डे-नाइट टेस्ट भी हो सकता है। वर्ष 2015 में आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के बीच पहला डे-नाइट टेस्ट मैच खेला गया था और उसके बाद से कई देशों ने डे-नाइट टेस्ट खेलने में अपनी रूचि दिखाई है। आस्ट्रेलिया इस समय इंग्लैंड के साथ एशेज सीरीज में दूसरा टेस्ट गुलाबी गेंद से ही खेल रहा है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख कार्यकारी जेम्स सदरलैंड ने रविवार को एबीसी रेडियो से कहा कि बोर्ड ने फैसला किया है कि अब से वह प्रत्येक सत्र में कम से कम एक डे-नाइट टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। सदलैंड ने कहा, मैं यह उम्मीद करता हूं कि इसमें ज्यादा समस्या नहीं होगी। हमने इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बातचीत की है। यह फैसला मेजबान देश को लेना है कि वह क्या सही सोचते हैं। अब यह निश्चित हो गया है कि हम हर सत्र में कम से कम एक डे-नाइट टेस्ट की मेजबानी करेंगे।

अब एक घंटे पहले ले सकेंगे आईपीएल मैचों का मजा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी 11वें संस्करण के मैच रात आठ बजे के बजाय अब एक घंटे पहले शाम सात बजे से शुरू हो सकते हैं। आईपीएल के 2008 में शुरु होने के बाद से अब तक शाम के मैच रात आठ बजे से शुरु होते आ रहे हैं। लेकिन अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आगामी सत्र के मैच की समय सारणी में बदलाव करने के मूड में हैं। आईपीएल के चेयरमैन राजीव शुक्ला ने आम परिषद बैठक में लीग के शाम के मैचों को जल्दी शुरु कराने का विचार दिया है। आईपीएल की फ्रेंचाइजियों ने शुक्ला के इस विचार का स्वागत किया है लेकिन इसे अंतिम रूप देने से पहले प्रसारणकर्ताओं की मंजूरी लेना होगा। प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स अगर बीसीसीआई के इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे देता है तो लीग के 11वें संस्करण के मैच अब सात बजे से शुरु हो सकते हैं। शुक्ला ने कहा, आईपीएल-11 के मैचों को शाम सात बजे से शुरु करने पर विचार किया गया है और सभी ने इसका स्वागत किया है। लेकिन इसके लिए प्रसारणकर्ताओं की मंजूरी लेने के लिए हमें उनसे बात करनी होगी। मामले से जुड़ी सभी बिंदुओं पर विचार किया गया है। हम सबने लीग के मैचों को जल्दी कराने पर गहनता से विचार विमर्श किया है। शाम के मैच अगर एक घंटे पहले से शुरु होते हैं तो चार बजे वाले मैच पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि इस पूरे मामले पर गेंद अभी प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स के पाले में हैं। आईपीएल की कार्यकारिणी की बैठक अगले गुरुवार को होनी है जिसमें लीग के समय के बारे में कोई फैसला लिए जाने की संभावना है। आईपीएल चेयरमैन ने कहा, सभी आईपीएल मालिकों ने इस पर अपनी सहमति जताई है। आगामी कार्यकारिणी की बैठक में सभी बातों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

श्रीलंकाई खिलाड़ी सदीरा समरविक्रमा के सिर पर लगी चोट

नई दिल्ली। पहले ही तीन मैचों की शृंखला में 1-0 से पिछड़ रही श्रीलंका की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। भारत के खिलाफ यहां फिरोजशाह कोटला मैदान में तीसरे टेस्ट के पहले दिन श्रीलंकाई ओपनर सदीरा समरविक्रमा के सिर चोट लग गई। बाद में इस चोट का स्कैन कराया गया है और फिलहाल उनकी हालत ठीक बताई गई है। हालांकि अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि समरविक्रमा श्रीलंका की पारी में बल्लेबाजी करने उतरेंगे। पहले दिन मैच के दौरान भारतीय बल्लेबाज का स्वीप शॉट फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर खड़े समरविक्रमा के हेलमेट पर सीधे जा टकराया था। सदीरा को उसके बाद एहतियातन स्कैन कराने के लिए ले जाया गया और उनके स्कैन कराए गए। टीम प्रबंधन के अनुसार, सदीरा समरविक्रमा फिलहाल ठीक हैं, लेकिन रातभर उनकी स्थिति पर नजर रखी जाएगी। यदि वह ठीक रहते हैं तो वह श्रीलंकाई पारी के दौरान ओपनिंग करने उतर सकते हैं। प्रबंधन ने कहा सदीरा को लेकर कोई भी फैसला डॉक्टरों की सलाह पर लिया जाएगा।

वेस्टइंडीज/न्यूजीलैंड: ब्रेथवेट का नाबाद अर्धशतक, वेस्टइंडीज के दो विकेट पर 214 रन

वेलिंगटन। सलामी बल्लेबाज क्रेग ब्रेथवेट (नाबाद 79) और शिमरोन हेतमायर (66) की अर्धशतकीय पारियों के बूते वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में दो विकेट पर 214 रन बना लिए। वेस्टइंडीज की टीम अब भी न्यूजीलैंड की पहली पारी से 172 रन से पिछड़ रही है। स्टंप के समय ब्रेथवेट के साथ साई होप 21 रन बना कर खेल रहे है और दोनों के बीच अब तक 48 रन की अटूट साझेदारी हुई है।

न्यूजीलैंड ने सुबह नौ विकेट पर 447 रन से खेलना शुरू किया, उसने नौ विकेट पर 520 रन पर पारी घोषित कर दी। इस मैच से टेस्ट मे पदार्पण कर रहे टॉम ब्लंडेल ने नाबाद 107 रन की पारी खेली। पहली पारी के आधार पर न्यूजीलैंड ने 386 रन की बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में महज 134 रन पर सिमट गई थी। ब्रेथवेट ने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज कीरेन पॉवेन (40) के साथ 72 रन और हेतमायर के साथ दूसरी विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी निभाई। दोनों सफलता तेज गेंदबाज मैट हेनरी (33 रन पर दो विकेट) को मिली। बेसिन रिजर्व मैदान की विकेट पहले दो दिनों की तुलना में रविवार को सपाट रही और पिच पर हरियाली भी कम दिखी जिससे पिच पहले दो दिनों के मुकाबले आज बल्लेबाजी के लिए थोड़ी आसान रही। पहले दो दिनों में 19 विकेट गिरे थे जबकि आज सिर्फ दो विकेट गिरे।

» भारत /श्रीलंका : दूसरे दिन का खेल खत्म, श्रीलंका का स्कोर 131/3

कोहली का छठा दोहरा शतक

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट शनिवार से दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान पर खेला जा रहा है। भारत ने अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 536 रनों पर पारी घोषित की। जवाब में श्रीलंका ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 131 रन बनाए। श्रीलंका का तीसरा विकेट दिलरुवान परेरा के रूप में गिरा। परेरा 42 रन बनाकर रविन्द्र जडेजा की गेंद पर आउट हुए।

विराट कोहली ने टेस्ट में कप्तान के तौर पर अपने ही सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 243 रनों की पारी खेली। श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने मैच के दौरान स्लॉग को लेकर करीब तीन बार मैच को बीच में रोका। जब विराट ने पारी घोषित की तो उस समय रिद्धिमान साहा 9 और रविंद्र जडेजा 5 रन बनाकर खेल रहे थे। विराट 243 रन बनाकर लक्षन संदाकन का शिकार बने थे। लंच ब्रेक तक भारत ने पांच विकेट पर 500 रन बना लिए थे। लंच ब्रेक से ठीक पहले रोहित शर्मा 65 रन बनाकर लक्षन संदाकन की गेंद पर आउट हुए।

इससे पहले कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपना छठवां दोहरा शतक जड़ा। इसके साथ ही वो सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग के साथ एक खास एलीट क्लब में शामिल हो गए हैं। मैच के दूसरे

दिन विराट और रोहित शर्मा श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इन दोनों ने 135 रनों की साझेदारी निभाई।

मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया ने जल्द ही 400 रनों का आंकड़ा पार कर लिया था। कप्तान विराट कोहली के चौके के साथ भारत ने 400 रनों का आंकड़ा पार किया। कोहली और रोहित शर्मा क्रीज पर जमे हुए हैं। इससे पहले मैच का पहला दिन टीम इंडिया के नाम रहा। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 371 रन बना लिए थे।

कप्तान विराट कोहली 156 और रोहित शर्मा 6 रन बनाकर नॉटआउट लौटे थे। सलामी बल्लेबाज मुरली विजय ने लगातार दूसरे टेस्ट में सेंचुरी जड़ी और 155 रन बनाकर आउट हुए।

कुछ ऐसा रहा टीम इंडिया का पहला दिन

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और 78 रनों तक दो बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। शिखर धवन और चेतेश्वर पुजारा 23-23 रन बनाकर आउट हुए। दिलरुवान परेरा ने धवन को आउट कर भारत को पहला झटका दिया था। उस समय भारत का स्कोर 42 रन ही था। इसके बाद लक्षन संदाकन ने पुजारा को आउट किया। कप्तान विराट ने मुरली विजय के साथ मिलकर पारी को संभाला और मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इन दोनों के बीच 283 रनों की साझेदारी हुई। मुरली विजय भी संदाकन की गेंद पर आउट हुए इसके बाद उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे महज एक रन बनाकर आउट हुए। रहाणे का विकेट भी संदाकन के खाते में गया।

विराट ने की तेंदुलकर और सहवाग की बराबरी

कप्तान विराट के खाते में एक और डबल सेंचुरी जुड़ गई है। विराट ने नागपुर टेस्ट में भी डबल सेंचुरी जड़ी थी। विराट भारत की ओर से अब छह डबल सेंचुरी जड़ चुके हैं। वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर के साथ विराट भारत की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट डबल सेंचुरी जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल: इंग्लैंड ने भारत को हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को बराबरी पर रोकने के बाद भारत को एफआईएच हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल के पूल-बी मुकाबले में शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

पहले मैच में जर्मनी से शिकस्त झेलने वाली इंग्लैंड ने भारत को 3-2 से शिकस्त दी। एक समय दो गोल से पिछड़ रही भारतीय टीम ने 2-2 की बराबरी की, लेकिन अन्तिम समय में इंग्लैंड ने निर्णायक गोल दागकर जीत हासिल की। भारत ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 1-1 की बराबरी पर रोका था।

इंग्लैंड की ओर से 25वें मिनट में डेविड गुडफिल्ड ने और 43वें तथा 57 वें मिनट में सैम वर्ड ने गोल किए। भारत की ओर से पहला गोल आकाशदीप सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर किया जबकि दूसरा गोल ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर सिंह ने 50 वें मिनट में मैदानी गोल के रूप में किया। इससे पहले पूल-बी के ही एक अन्य मुकाकले में मार्टिन हैनर के आखिरी मिनट में किए गए रोमांचक गोल की बदौलत जर्मनी ने विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में इंग्लैंड को 2-0 से पीटने वाली जर्मन टीम ने अपने उसी प्रदर्शन को यहां भी

बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया का टूर्नामेंट में यह दूसरा ड्रॉ है। इससे पहले उसे शुक्रवार को भारत से 1-1 का ड्रॉ खेलना पड़ा था। विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर की टीम जर्मनी ने दूसरे नंबर की टीम और विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की। जर्मनी ने मैच के सातवें मिनट में ही मार्को मिलत्कौके मैदानी गोल की मदद से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। पहले क्वार्टर में एक गोल होने के बाद दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल ठोककर न सिर्फ बराबरी की बल्कि 2-1 की बढ़त भी ले ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए पहला गोल ब्लैक गोवर्स ने 39 वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि दूसरा गोल आरोन क्लिंशिमट ने 49 वें मिनट में किया। मुकाबले में 1-2 से पिछडने के बाद जर्मनी ने मैच समाप्त होने से दो मिनट पहले ही गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। मार्टिन हैनर ने 58 वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर जर्मनी के लिए बराबरी का गोल दाग दिया और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा।

कश्मीर में 200 आतंकी ढेर करने पर सहवाग ने सेना को दी अनोखी बधाई

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के पूर्व धाकड़ बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भारतीय सेना और सुरक्षा बलों के समर्थन में काफी कुछ कहते हैं. सहवाग ने एडीशनल डायरेक्टरेट जनरल ऑफ इनफारमेशन-इंडियन आर्मी और जम्मू कश्मीर पुलिस को इस साल 200 आतंकवादियों का सफाया करने के लिए बधाई दी. राज्य पुलिस के सूत्रों के अनुसार, सात साल में पहली बार जम्मू कश्मीर में घुसपैठ के दौरान 200 आतंकवादी मारे गए हैं. सेना को बधाई देने वाले सहवाग के इस अंदाज पर यूजर्स ने भी उन्हीं के अंदाज में जवाब दिया है. बता दें कि गौरतलब है कि बीते गुरुवार को सुरक्षाबलों ने 'डबल ऑपरेशन' में पांच आतंकियों को मार गिराया. बड़गाम में 4 और सोपोर में 1 आतंकवादी मारा गया. इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में इस साल मारे जाने वाले आतंकियों की संख्या 200 के पार हो गई. सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि बड़गाम के एक गांव में कुछ आंतकवादी गांव में छिपे हुए हैं. जब सुरक्षाबल वहां पहुंचे तो आतंकियों ने गोली चलानी शुरू कर दी. जवाब में सुरक्षाबलों ने भी आतंकियों पर फायरिंग की. कई घंटे तक दोनों तरफ से जमकर फायरिंग हुई. इसके बाद जाकर सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को मार गिराया.

अंडर-19 विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषणा

नई दिल्ली। वर्ष 2018 में 18 जनवरी से शुरू होने वाले अंडर19 विश्व कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। अगला अंडर19 विश्व कप न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। इस विश्व कप में भारतीय टीम की अगुआई मुंबई के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ करेंगे। इस विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम का उप कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। अंडर19 विश्व कप टीम में पंजाब के अभिषेक शर्मा व शुभमन गिल को चुना गया है वहीं राजस्थान से शिवम मानवी और कमलेश नागरकोटी टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। टीम में तेज गेंदबाज इशान पोरेल को भी शामिल किया गया है जो बंगाल के हैं। इस बार वॉशिंगटन सुंदर, इशान किशन और अनमोल प्रीत जैसे खिलाड़ी टीम में जगह बनाने में नाकामयाब रहे। विश्व कप के लिए चुने गए 15 सदस्यीय टीम के लिए 8 से 22 दिसंबर तक बेंगलुरु में कैंप लगाया जाएगा। इस कैंप के साथ इशान पोरेल और पृथ्वी शॉ रणजी में खेलने की वजह से देर से जुड़ेंगे। ये दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के लिए क्वार्टर फाइनल में खेलेंगे। इस विश्व कप में भारतीय टीम को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और पापुआ न्यू गिनी के साथ रखा गया है। भारत को अपना पहला मुकाबला 14 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के साथ, 16 जनवरी को पापुआ न्यू गिनी और 19 जनवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है। भारतीय टीम अपने सभी लीग मुकाबले बै ओवल टौरंगा में खेलेगी। भारत पिछले यानी वर्ष 2016 विश्व कप में उपविजेता रही थी।

अंडर19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

पृथ्वी शॉ (कप्तान), शुभमान गिल, हिमांशु राणा, अभिषेक शर्मा, कमलेश नागरकोटी, इशान पोरेल, शिवम मावी, रियान पराग, आर्यन जुयाल, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, शिवा सिंह, पंकज यादव, अंकुल रॉय, मनजोत कालरा।

सहवाग ने कहा श्रीलंकाई खिलाड़ियों को एक्टिंग के लिए मिलना चाहिए ऑस्कर, नेहरा ने बहाना करार दिया

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में रविवार का दिन इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए आश्चर्यजनक दिन रहा। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे सीरीज के आखिरी मैच में श्रीलंकाई टीम बेहद नाटकीय ढंग से खेल को बाधित किया।

दिनेश चंडीमल और उनके साथ खिलाड़ी बार-बार अंपायर के पास स्लॉग की वजह से दिक्कत होने की शिकायत कर रहे थे। इसे खेल बार-बार रुक रहा था। नतीजतन विराट कोहली लय टूटने की वजह से अपना विकेट गवां बैठे। हालांकि बाद में कोहली ने पारी घोषित करके श्रीलंका को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया।

यह वाकया इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार हुआ है, जब खिलाड़ियों ने इस तरह की शिकायत की। श्रीलंकाई गेंदबाज लाहिरु गमागे ने कहा कि उन्हें गेंदबाजी में दिक्कत हो रही है। लिहाजा उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया।

श्रीलंकाई टीम को छोड़कर यह बात किसी भी ठीक नहीं लगी। टीम इंडिया के पूर्व गेंदबाज आशीष नेहरा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, स्लॉग की दिक्कत दिल्ली में एक-दो साल से है। हालांकि यह सुबह या फिर ज्यादा शाम होने पर महसूस होती है। धूप निकली हुई थी, न खेल पाने जैसी स्थिति नहीं थी।

नेहरा ने श्रीलंकाई गेंदबाज गमागे की फिटनेस पर सवालिया निशान लगात हुए कहा, मैंने गमागे के पहले टेस्ट से भांप लिया था, बतौर पूर्व तेज गेंदबाज मुझे लग रहा था कि ये पूरी सीरीज नहीं खेल पायेंगे। इनके साथ फिटनेस की दिक्कत है। यह दिक्कत उनकी गेंदबाजी के समय मैदान में दिखती है।

उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में पिछले काफी समय हूं, इसलिए मैं जानता हूं कि थोड़ा स्मॉग है। यह दिवाली के समय ज्यादा होता है, लेकिन अभी स्थिति ठीका है। नेहरा ने कोहली का जिक्र करते हुए कहा, मैं विराट का फैन हूं। इस मैच में सबसे ज्यादा खराब चीज थी कि विराट ट्रिपल सेंचुरी से चूके।

इस पर सहवाग ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, श्रीलंकाई खिलाड़ी एक्टिंग अच्छी कर लेते हैं, इसके लिए इन्हें ऑस्कर मिलना चाहिए। इनके चेहरों पर मास्क देखकर मुझे लगा कि शायद खराब प्रदर्शन करने की वजह से ये लगाये हैं।

पाटीदार बाहुल्य इलाकों में निकली विशाल जनक्रांति रैली

कतारगाम, वराछा, करंज तथा कामरेज विधानसभा क्षेत्र में हार्दिक ने स्वीकारा लोगों का अभिवादन

सूरत। विधानसभा चुनाव की तारीखें जैसे जैसे निकट आती जा रही हैं वैसे वैसे राजनैतिक सरगर्मियां बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ जहां भाजपा तथा कांग्रेस ने चुनावी जंग जीतने के लिए एड़ी से चोटी तक का दम लगा दिया है वहीं निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी अपनी पुरी ताकत झोंक दी है। पिछले 22 वर्षों से गुजरात में सत्ता पर काबिज रही भारतीय जनता पार्टी के इस बार का चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। भाजपा के प्रबल समर्थक पाटीदार समाज का आरक्षण के मुद्दे को लेकर नाराजगी भाजपा के लिए घातक सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि इस बार के चुनाव में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी के सभी दिग्गजों को चुनावी समर में झोंक दिया है। यही कारण है कि गुजरात के इस चुनावी जंग पर पूरे देश की नजर टीकी हुई है। रविवार को सूरत में हार्दिक पटेल की जनक्रांति रैली में शामिल जन सैलाब को देखकर ऐसा लग रहा था मानों हार्दिक पर समाज का आज भी उतना ही भरोसा है जितना पहले था। चारों तरफ से समर्थकों से घिरे हार्दिक ने समाज के समर्थन पर अपना भरोसा व्यक्त किया। रैली के दौरान हार्दिक के प्रशंसकों में हार्दिक के साथ फोटो खिचवाने की होड़ सी लगी रही। रैली के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए हार्दिक ने कहा कि भाजपा उनकी बढ़ती लोकप्रियता से घबड़ाकर उनपर झूंठे आरोप लगाकर उनकी छवि खराब करना चाहती है परंतु वे भाजपा की इस चाल से घबड़ाने वाले नहीं हैं। वे समाज के लिए आंदोलन चला रहे है और जब तक अपने लक्ष्य में कामयाब नहीं हो जाते तब तक आंदोलन चलाते रहेंगे।

इन क्षेत्रों से निकली रैली

हार्दिक पटेल की जनक्रांति रैली रविवार की सुबह 8 बजे हाथी मंदिर से आरंभ हुई जिसमें दो पहिया, चार पहिया वाहनों सहित भारी संखयां में लोग शामिल हुए। रैली जहांगीरपुरा, कोजवे होते हुए, अंबातलावड़ी, डाभोली चार रास्ता, सिंगणपोर रोड़, धर्मनगर होते हुए गजेरा सर्कल पहुंची। दोपहर बाद रैली सरस्वती सर्कल से निकलकर हीराबाग सर्कल, त्रिकमनगर, जोली आर्केड, कारगिल चौक होते हुए नाना वराछा पहुंची। जहां से रैली सवजी कोराट ब्रिज, सरथाणा जू होते हुए सीमाणा बीआरटीएस , योगी चौक पहुंची।

सूरत। देश की सीमा की रक्षा करने वाले बहादुर जवानों के परिवार के सहायतार्थ मारूति वीर जवान ट्रस्ट द्वारा आयोजित मोरारी बापू की राम कथा में श्रोताओं की भारी भीड़ जुट रही है। बीआरटीएस जंक शन, सीमाणा जकात नाका के निकट आयोजित राम कथा में रविवार को मोरारी बापू ने कहा कि मानस शहीद राम कथा शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का उत्सव है। उन्होने धन की गति पर चर्चा करते हुए कहा कि दान धन की उत्तम गति है। राम कथा के दूसरे दिन सीता की खोज में अंगद के साथ सैनिक के रूप में जुड़े हनुमानजी के साथ हुई वार्ता का विस्तार से वर्णन किया।

कथा के दौरान मोरारी बापू ने कहा कि रामकथा एक यज्ञ है और यज्ञ में सबसे पहले श्रद्धा होनी चाहिए । यहां पर श्रद्धा व भक्ति से युक्त श्रोता उपस्थित हैं। परन्तु आप यह सोचकर यहां आए कि कछा में जाने से हमारी फैक्ट्री चलने लगगेगी तो यह होनी वाली नहीं है। जिस प्रकार हवा की अनुपस्थिति में सुगंध नहीं फैल सकती उसी प्रकार श्रद्धा के बिना धर्म के मार्ग पर परायण नहीं किया जा सकता। धन की तीन गति होती है, पहला उसका दान किया जाय, दूसरा धन का भोग किया जाय तथा तीसरा धन का नाश हो जाय। इस प्रकार धन की सबसे उत्तम गति दान है। उसमें भी राष्ट्रसेवा में अपने प्राणों को न्यौछावर कर देने वाले शहीदों के परिवार की सहायता के लिए दान करने से बढ़कर धन की उत्तम गति और क्या हो सकती है। सैनिकों के बलिदान को धन से तौला नहीं जा सकता।

सूरत। रविवार को स्मीमेर होस्पिटल में हयुमन मिल्क डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें सूरत पेडीएट्रीक्स एसोशिएशन चेरीटेबल ट्रस्ट स्मीमेर होस्पिटल यशोदा हयुमन मिल्क बैंक, रोटरी क्लब आफ सूरत मासूम होस्पिटल तथा श्री सूरती मोढवणिक ज्ञाति पंच की महिलाओं ने भाग लिया।

कांग्रेस प्रत्याशी के भाई की पिटाई के बाद सीएम हाउस पर प्रदर्शन

लाठीचार्ज में अनेक नेता घायल

राजकोट (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजकोट दौरे से पहले शनिवार रात यहां जमकर बवाल हुआ। पोस्टर लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद पर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं में मारपीट हुई। मारपीट में कांग्रेस प्रत्याशी के भाई दिव्यनील को काफी चोटें आई हैं। इसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के आवास पर प्रदर्शन करने पहुंचे। जहां पुलिस ने उन पर जम कर लाठियां भांजी। लाठीचार्ज में हिंगोली से कांग्रेस सांसद राजीव सातव, स्थानीय कांग्रेस प्रत्याशी इंद्रनील राज्यगुरू समेत सैकड़ों लोग घायल हो गए। राजकोट पश्चिम सीट से इन्द्रनील राज्यगुरु कांग्रेस प्रत्याशी हैं। इंद्रनील राज्यगुरू चुनाव मैदान में अपनी किश्मत आजमा रहे प्रत्याशियों में सबसे अमीर हैं। राजकोट के कन्हैया चौक पर कांग्रेस उम्मीदवार के पोस्टर लगे थे, जिन्हें हटाकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने पोस्टर लगा दिए। इस पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। शनिवार रात कांग्रेस उम्मीदवार इन्द्रनील राज्यगुरु के भाई के साथ भाजपा समर्थकों ने मारपीट की। भाई पर हमले के बाद कांग्रेस उम्मीदवार ने अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया। स्थिति तनावपूर्ण होती देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हंगामे के बाद पुलिस ने कांग्रेस उम्मीदवार समेत कई दूसरे नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पुलिस हेड क्वार्टर पहुंच गए। अपने नेताओं को छोड़ने की मांग करने लगे। यहां भी पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद ने उन पर लाठियां भांजी। हंगामे के दौरान मौजूद महाराष्ट्र के हिंगोली से कांग्रेस सांसद राजीव सातव को भी लाठियां खानी पड़ीं। पुलिस की लाठियों की चपेट में मीडियाकर्मी भी आ गए। पुलिस ने हिरासत में लिए लोगों को करीब चार घंटे बाद छोड़ दिया। इन सभी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्र अभी तक जारी नहीं

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान की तिथियों में केवल 1 सप्ताह का समय शेष रह गया है। किंतु अभी तक कांग्रेस और भाजपा ने अपने घोषणापत्र जारी नहीं किए हैं। दोनों ही राजनीतिक दलों में इन दिनों चूहे और बिल्ली वाला खेल चल रहा है। पहले आप और पहले आप की तर्ज पर अभी तक दोनों ही राजनीतिक दलों ने अपने अपने घोषणापत्र को अंतिम रूप नहीं दिया है। उल्लेखनीय हैं, राहुल गांधी ने सरकार बनने पर 10 दिनों के अंदर किसानों का कर्ज माफ करने की बात कही है। इसके बाद से ही भाजपा में खलबली मची हुई है। भाजपा के दिग्गज इसकी तोड़ निकालने में जुटे हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पकड़ गुजरात में कमजोर

अहमदाबाद (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से गुजरात में उनकी पकड़ काफी कमजोर हो गई है। प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात में कई बड़े आंदोलन हुए। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल, दलित नेता जिग्नेश मेवाणी तथा ओबीसी के नेता अल्पेश ठाकुर से भारतीय जनता पार्टी को पिछले 1 वर्ष से कड़ी चुनौतियां मिल रही हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल को इन्ही आंदोलनों के कारण अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। आंदोलनों के दौरान और बाद में गुजरात में पंचायतों और नगरीय निकायों के चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा।

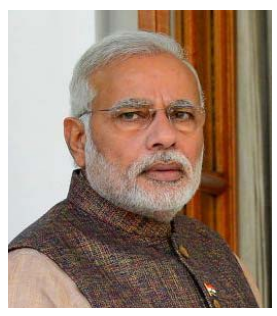

31 तालुका के चुनाव में भाजपा को केवल 10 स्थानों पर ही जीत मिली थी। पंचायतों के चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था इसका फायदा कांग्रेस के पक्ष में हुआ था । पिछले 3 माह से कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी और तीनों युवा नेताओं के लगातार दौरों से गुजरात विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 22 वर्ष बाद कड़ी चुनौतियां मिल रही है। 2007 के बाद पहली बार गुजरात के चुनाव में सैकड़ों स्टार प्रचारकों को अन्य प्रदेशों से लाकर गुजरात में चुनाव के प्रचार में लगाना पड़ा है। 2007- 2009-2012 और 2014 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में प्रचार अभियान की कमान गुजरात में केवल नरेंद्र मोदी और शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी ही संभालते रहे हैं। गुजरात के बाहर से यहां पर नेताओं को नहीं बुलाया जाता था। इस बार भाजपा को अपनी पूरी ताकत गुजरात में झोंकना पड़ रही है।

गुजरात पर मंडरा रहा है ओखी चक्रवात का संकट

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण भारत में तबाही मचाने के बाद अब ओखी चक्रवात का खतरा गुजरात पर मंडराने लगा है। ओखी चक्रवात गुजरात की ओर बढ़ रहा है, जिससे कच्छ और सौराष्ट्र को अलर्ट कर दिया गया है। दक्षिण भारत के केरल और तमिलनाडु में ओखी चक्रवात 22 लोगों को लील गया है। लक्ष्यद्वीप में भारी नुकसान हुआ है। अचानक आए इस चक्रवात के कारण अनेक मछुआरे समुद्र में फंस गए हैं। केरल और लक्ष्यद्वीप के बीच करीब 80 मछुआरे फंसे हैं। जिन्हें बचाने के लिए भारतीय नौ सेना, वायु सेना और कोस्टल गार्ड द्वारा सर्च ऑपरेशन किया गया। फिलहाल ओखी चक्रवात गुजरात की ओर बढ़ रहा है जिसके 4 से 6 दिसंबर के दौरान गुजरात और मुंबई पहुंचने की मौसम विभाग ने संभावना जताई है। दक्षिण भारत के केरल और तमिलनाडु में ओखी चक्रवात 22 लोगों को लील गया है। लक्ष्यद्वीप में भारी नुकसान हुआ है। अचानक आए इस चक्रवात के कारण अनेक मछुआरे समुद्र में फंस गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक ओखी चक्रवात सौराष्ट्र-कच्छ समेत गुजरात के कई हिस्सों पर हावी हो सकता है। जिसकी वजह से गुजरात में अगले तीन-चार दिन कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। चक्रवात के कारण गुजरात के दक्षिण और सौराष्ट्र जैसे इलाकों में बारिश होने की भी संभावना है।

30 विधानसभा क्षेत्रों के 30 घोषणापत्र

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अपने 30 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की तर्ज पर गुजरात में भी 30 विधानसभा क्षेत्रों के अलग-अलग घोषणा पत्र तैयार किए हैं। इन्हीं घोषणा पत्र के आधार पर आम आदमी पार्टी विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट मांग रही हैं। गुजरात मैं आम आदमी पार्टी की चुनाव समिति के अध्यक्ष किशोर देसाई के अनुसार 30 अलग-अलग चुनाव क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं का अवलोकन कर घोषणा पत्र तैयार किया गया है। इस घोषणा पत्र में समस्याओं का अवलोकन और समाधान करने का एक निश्चित समय सीमा पर वचन दिया गया है। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के सरकारी धन के एक-एक पैसे की जानकारी मतदाताओं को देने की बात भी घोषणा पत्र में की गई है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक घर पर जाकर अपने घोषणापत्र को देकर अपना प्रचार अभियान संचालित कर रहे हैं।

राहुल के दिमाग पर तरस आता है: राजनाथ

अहमदाबाद (ईएमएस)। बीजेपी के तमाम नेता और केंद्रीय मंत्री गुजरात में पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। इस कड़ी में अहमदाबाद में चुनावी सभा के दौरान गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राहुल कहते हैं कि विकास पागल हो गया है। मुझे उनके दिमाग पर तरस आता है। उन्होंने कहा कि विकास कभी धीमा हो सकता है, कभी तेज हो सकता है, कभी रुक सकता है, पर विकास कभी पागल नहीं हो सकता। अगर कोई कह दे कि विकास पागल है, तो उसे क्या कहा जाए। राजनाथ से पहले प्रधानमंत्री से लेकर कई केंद्रीय मंत्री भी राहुल गांधी पर निशाना साध चुके हैं। राजनाथ ने कहा कि आतंकवादी, आतंकवादी होता है, न हिन्दू होता है, न मुस्लिम, न ईसाई, उसका कोई मजहब नहीं होता। लेकिन केवल वोट के चक्कर में जात-पात के आधार पर बांटकर कांग्रेस गुजरात में सरकार बनाना चाहती है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं और वह देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी विकास के गुजरात मॉडल का जिक्र करते हैं। यही वजह थी कि कांग्रेस ने गुजरात में बीजेपी पर निशाना साधने के लिए विकास को पागल बताया। राजनाथ ने कांग्रेस को जवाब दिया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com